माइक्रोफ़ाइनेंस पल्स

संस्करण X – नवंबर 2021

विश्लेषी संपर्क

इक्विफ़ैक्स

किरण समुद्रला

वाइस प्रेसिडेंट
एनालिटिक्स

kiran.samudrala@equifax.com

श्रुति जोशी

एवीपी – एनालिटिक्स

shruti.joshi@equifax.com

वंदना पांचाल

सीनियर एक्से.
एनालिटिक्स

vandana.panchal@equifax.com

सिडबी

चन्द्रशेखर थानवी

मुमप्र- एमपीआईवी-ईआरडीए

erdav@sidbi.in

रंगदास प्रभावती

उमप्र- एमपीआईवी-ईआरडीए

erdav@sidbi.in

रमेश कुमार

प्र. - एमपीआईवी-ईआरडीए

rameshk@sidbi.in

विषयसूची

कार्यपालक सारांश	03
संक्षिप्ताक्षर एवं शब्दावली	04
माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन	05
संवितरण के रुझान	08
उद्योग जोखिम रूपरेखा	12
भौगोलिक एक्सपोजर	14
उधारकर्ताओं का फैलाव	17
व्यापक राज्य रूपरेखा : ओड़िशा	20
आकांक्षी जिले	25

कार्यपालक सारांश

1990 के दशक की शुरुआत में सूक्ष्म वित्त गतिविधियों को प्राधान्य मिला और पिछले कुछ वर्षों में इसमें अपूर्व वृद्धि हुई है। एमएफआई पल्स के 10वें संस्करण में 30 जून 2021 तक प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर सूक्ष्म वित्त उद्योग में हुई संवृद्धि को दर्शाया गया है।

30 जून, 2021 तक एमएफआई उद्योग का बकाया संविभाग ₹222,060 करोड़ था, जिसमें बैंकों और एनबीएफसी-एमएफआई का योगदान 75% से अधिक था। मार्च 2021 से जून 2021 में संविभाग के बकाया में 11% की कमी आई। लाभ उद्देश्य विहीन एमएफआई में जून 2020 से जून 2021 तक 11% की वर्षानुवर्ष वृद्धि देखी गई, इसके बाद बैंकों का स्थान रहा उनमें 4% की संवृद्धि हुई।

वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के कारण अप्रैल-जून 21 के दौरान संवितरण प्रभावित हुआ, हालांकि, यह प्रभाव उतना गंभीर नहीं है जितना अप्रैल-जून 20 में था। सूक्ष्म वित्त उद्योग को अप्रैल-जून 20 की तुलना में अप्रैल-जून 21 में मूल्य के हिसाब से 300% और मात्रा के हिसाब से 209% की वृद्धि के साथ ₹25,808 करोड़ के ऋण संवितरित किए।

1-179 दिनों के पश्चात हुई अपचारिता मार्च 2021 में 13.59% से बढ़कर जून 2021 में 31.44% हो गई। एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी और लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई की 30+ और 90+ अपचारिता समग्र उद्योग की अपचारिता की तुलना में कम है।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश 30 जून 2021 तक शीर्ष 5 राज्य हैं। पश्चिम बंगाल ₹31,024 करोड़ के बकाया संविभाग के साथ आगे है और पश्चिम बंगाल की 90+ अपचारिता 5.15% है जो समग्र उद्योग की अपचारिता की तुलना में अधिक है। .

रिपोर्ट में ओडिशा राज्य की व्यापक रूपरेखा को शामिल किया गया है। 30 जून 2021 को ओडिशा का बकाया संविभाग ₹13,096 करोड़ है। बकाया संविभाग में बाजार हिस्सेदारी का 85% बैंकों और एनबीएफसी-एमएफआई का है। अप्रैल-जून 21 के दौरान ओडिशा की संवितरण राशि ₹2,127 करोड़ रही है जिसमें बैंकों का सर्वाधिक योगदान है। ओडिशा में 30+ और 90+ अपचारिता समग्र उद्योग की अपचारिता से कम है।

यह रिपोर्ट ऋणों की संख्या और बकाया संविभाग के आधार पर उधारकर्ता के फैलाव का विश्लेषण भी प्रस्तुत करती है। 42% ग्राहकों के 3 या उससे अधिक ऋण हैं। अधिकतम उधारकर्ताओं को बैंक और एनबीएफसी द्वारा कवर किया गया है। 66% उधारकर्ता 10 हजार -50 हजार के संविभाग बकाया समूह के अंतर्गत आते हैं। 15% उधारकर्ताओं का बकाया संविभाग ₹50,000 से अधिक है।

- एटीएस (औसत ऋण आकार) = संवितरित राशि / ऋणों की संख्या
- डीपीडी = देय तिथि पश्चात बीते हुए दिन
- वर्तमान बकाया संविभाग (पीओएस)या उधारकर्ता या सक्रिय ऋण = 0 to 179 डीपीडी + नए खाते+चालू खाते
- एमएफआई = माइक्रोफ़ाइनेंस संस्थान
- पीओएस = बकाया संविभाग
- यूटी = संघ शासित क्षेत्र
- आकांक्षी जिले (एडी) - नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जनवरी 2018 में मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने के लिए सुधार के लिए पहचान किए गए जिले (वर्तमान में संख्या 117 है) जो स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और मूलभूत बुनियादी ढांचे जैसे समग्र संकेतांकों पर आधारित है। /

- 1-179 = 1 to 179 डीपीडी / सक्रिय बकाया संविभाग
- 1-29 = 1 to 29 डीपीडी / सक्रिय बकाया संविभाग
- 30-59 = 30 to 59 डीपीडी / सक्रिय बकाया संविभाग
- 60-89 = 60 to 89 डीपीडी / सक्रिय बकाया संविभाग
- 90-179 = 90 to 179 डीपीडी / सक्रिय बकाया संविभाग
- 30+अपचारिता = 30-179 डीपीडी / सक्रिय बकाया संविभाग
- 90+ अपचारिता = 90-179 डीपीडी / सक्रिय बकाया संविभाग

- एएमजे 20 = अप्रैल 2020 से जून 2020
- जेएएस 20 = जुलाई 2020 से सितंबर 2020
- ओएनडी 20 = अक्तूबर 2020 से दिसंबर 2020
- जेएफ़एम 21 = जनवरी 2021 से मार्च 2021
- एएमजे 21 = अप्रैल 2021 से जून 2021

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग पर्यावलोकन

माइक्रोफ़ाइनेंस उद्योग छायाचित्र

यथा 30 जून 2021

30 जून 2021 तक का छायाचित्र	बैंक	एसएफबी	एनबीएफसी-एमएफआई	एनबीएफसी	लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई	कुल उद्योग
अनन्य सक्रिय उधारकर्ता ('000)	25,248	12,630	23,466	6,604	793	68,741
सक्रिय ऋण ('000)	37,204	15,630	34,846	7,162	1,021	95,863
संविभाग (करोड़)	95,674	35,345	72,856	16,140	2,045	222,060
संवितरित राशि (`करोड़) अमजू 21	14,763	3,402	6,073	1,131	439	25,808
औसत टिकिट साइज़ (`)अमजू'21	35,609	38,724	35,356	41,048	34,007	36,112
30+अपचारिता (पीओएस)	17.15%	22.95%	10.67%	14.30%	3.26%	16.54%
90+ अपचारिता (पीओएस)	3.17%	3.22%	1.97%	3.00%	0.87%	3.01%

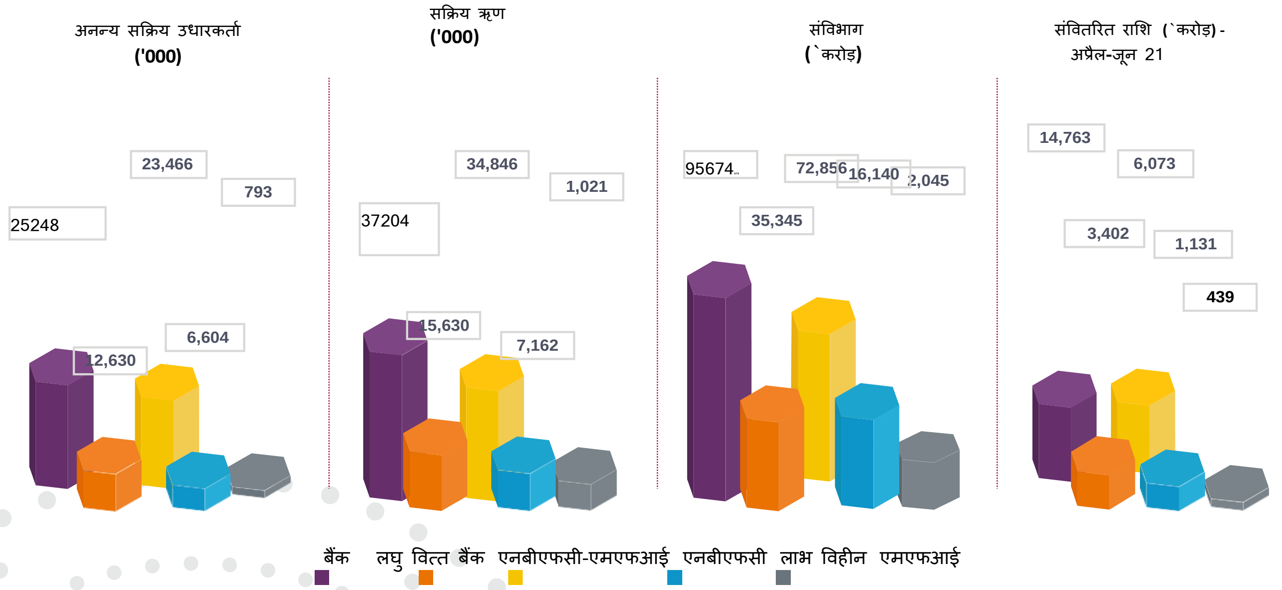

- 30 जून, 2021 तक एमएफआई उद्योग का बकाया संविभाग ₹222,060 करोड़ था, जिसमें बैंकों और एनबीएफसी-एमएफआई का योगदान 75% से अधिक था।
- अप्रैल-जून 21 के दौरान संवितरण राशि ₹25,808 करोड़ है जहाँ बैंक 57% योगदान के साथ अग्रणी स्थान पर हैं और दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता 24% के साथ एनबीएफसी-एमएफआई है
- एनबीएफसी का एटीएस सभी उधारदाताओं में सबसे अधिक है और यह उद्योग के एटीएस से भी अधिक है
- एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी और लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई की 30+ और 90+ अपचरिता उद्योग की अपचारिता की तुलना में कम है

Note : In MFI segment there are ~6 crore unique live borrowers. Difference in the unique number of customers is due to the customers having multiple relationships with SFBs, Banks, NBFC-MFIs, NBFCs and Not for Profit MFIs

अल्पवित्त उद्योग पर्यावलोकन

बकाया संविभाग (`करोड़)

विवरण	जून 20	सितं 20	दिसं 20	मार्च 21	जून 21
बैंक	91,920	93,409	96,683	109,867	95,674
एसएफबी	39,225	42,682	38,109	38,903	35,345
एनबीएफसी-एमएफआई	71,342	70,142	73,166	79,420	72,856
एनबीएफसी	19,875	19,838	18,988	18,992	16,140
लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई	1,842	1,772	1,872	2,095	2,045
कुल उद्योग	224,204	227,843	228,818	249,277	222,060
तिमाही दर तिमाही संवृद्धि दर %	-	2%	0%	9%	-11%

ऋणदाता प्रकार द्वारा बाजार की हिस्सेदारी के रुझान

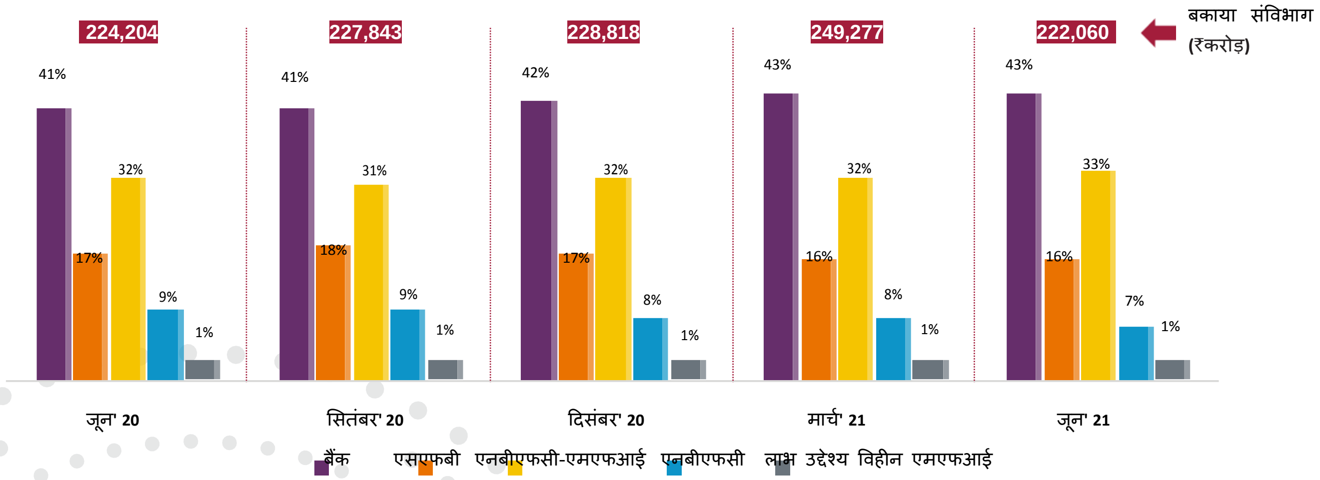

- मार्च 2021 से जून 2021 में संविभाग का बकाया 11% घट गया
- लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई में जून 2020 से जून 2021 तक 11% की वर्षानुवर्ष संवृद्धि हुई, इसके बाद बैंक 4% की संवृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर रहे

संवितरण के रुझान

संवितरण के रुझान - संस्थानवार

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

ऋणदाता प्रकार	अप्रैल-जून 20	जुलाई-सितंबर 20	अक्तूबर-दिसंबर 20	जनवरी-मार्च 21	अप्रैल-जून 21
बैंक	14	47	102	113	41
एसएफबी	5	12	20	31	9
एनबीएफसी-एमएफआई	2	33	65	80	17
एनबीएफसी	-	5	8	11	3
लाभ के उद्देश्य से विहीन एमएफआई	2	2	2	3	1
कुल उद्योग	23	99	197	238	71

ऋणदाता प्रकार द्वारा बाजार की हिस्सेदारी के रुझान

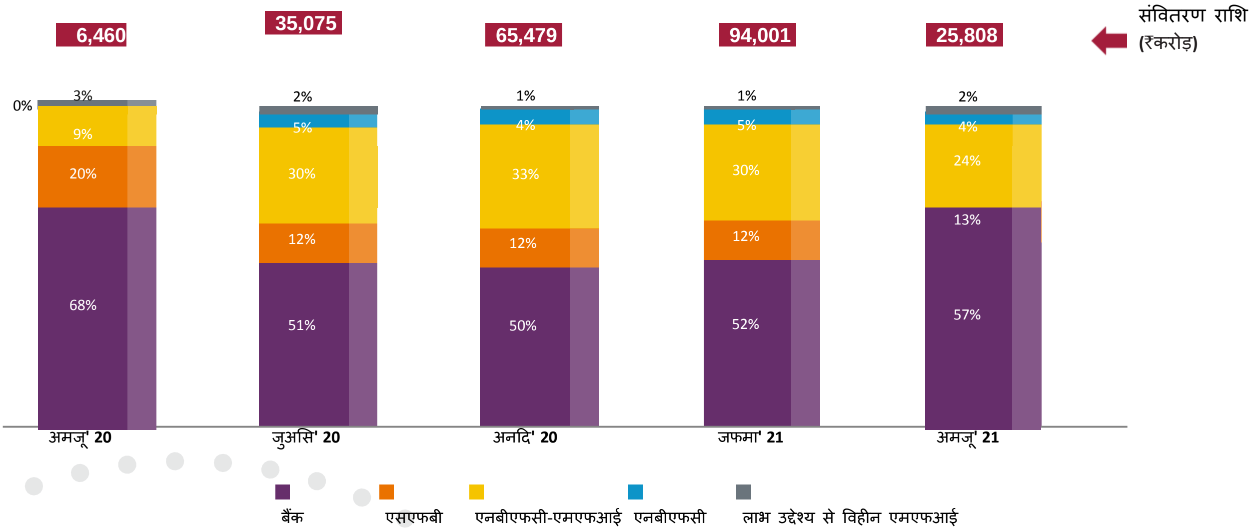

- अप्रैल मई जून 21 के दौरान संवितरण ₹25,808 करोड़ रहा, जिसमें अप्रैल-मई-जून 20 से अप्रैल-मई-जून 21 में मूल्य के हिसाब से 300% और मात्रा के हिसाब से 209% की वर्षानुवर्ष संवृद्धि हुई।
- वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के कारण अप्रैल-मई-जून 21 के दौरान संवितरण प्रभावित हुआ, हालांकि, यह प्रभाव उतना गंभीर नहीं था जितना अप्रैल-मई-जून 20 में था।
- संवितरित राशि में सबसे अधिक योगदान बैंकों से हो रहा है जिसके बाद एनबीएफसी-एमएफआई आते हैं

उद्योग ऋण आकार के रुझान

संवितरित ऋणों की संख्या (लाख में)

ऋण आकार	अप्रैल- जून20	जुलाई सितंबर 20	अक्त-दिसं20	जनवरी-मार्च 21	अप्रैल-जून20	वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर%
0K - 10K	2	4	34	19	8	300%
10K -20K	10	15	20	19	7	-30%
20K -30K	2	19	33	40	12	500%
30K -40K	3	24	44	60	17	467%
40K -50K	2	18	29	38	11	450%
50K -60K	2	10	18	28	8	300%
60K	2	9	19	34	8	300%
कुल	23	99	197	238	71	209%
तिमाहीदरतिमाही ऋण संवितरण संवृद्धि दर	-	330%	99%	21%	-70%	-
अ भारतीय औसत टिकट	28,578	35,501	33,193	39,556	36,112	-
तिमाही दर तिमाही ऋण एटीएस विकास दर%%	-	24%	-7%	19%	-9%	-

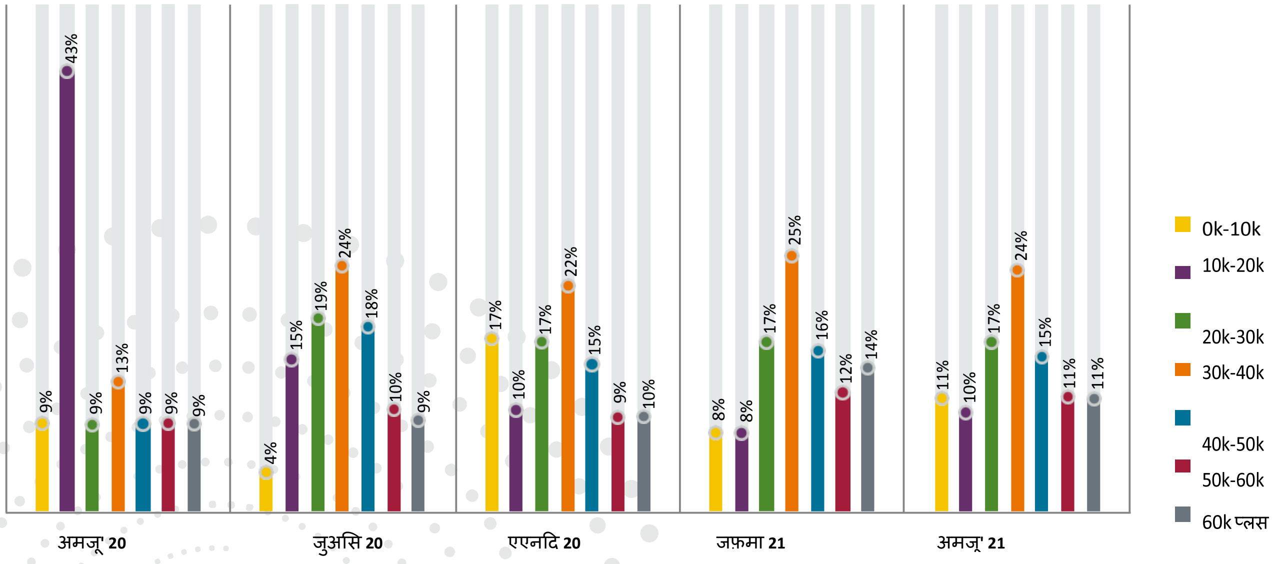

- 30 हजार -40 हजार ऋण आकार श्रेणी के तहत सबसे अधिक ऋण जारी किए जाते हैं
- कोविड की दूसरी लहर ने अप्रैल-जून 21 के दौरान उद्योग को प्रभावित किया था। अप्रैल-जून 21 के दौरान लिए गए ऋण जनवरी-मार्च 21 के दौरान लिए गए ऋणों के 30% हैं।
- औसत ऋण आकार भी अप्रैल-जून 21 में गिरकर ₹36,112 हो गया है, जो जनवरी-मार्च 21 में ₹39,556 था।

EQUIFAX

sidbi

उद्योग जोखिम संविभाग

जो खि म

EQUIFAX

अपचार प्रवृत्ति

गत देय दिन से अपचारिता

रिपोर्टिंग तिमाही	1-29 दिन	30-59 दिन	60-89 दिन	90-179 दिन	1-179 दिन
जून '20	1.30%	1.03%	0.43%	0.43%	3.19%
सितंबर'20	15.35%	3.47%	0.39%	0.63%	19.84%
दिसंबर'20	7.50%	4.73%	3.49%	4.96%	20.68%
मार्च'21	4.55%	2.90%	2.01%	4.12%	13.58%
जून'21	14.90%	10.14%	3.38%	3.01%	31.43%

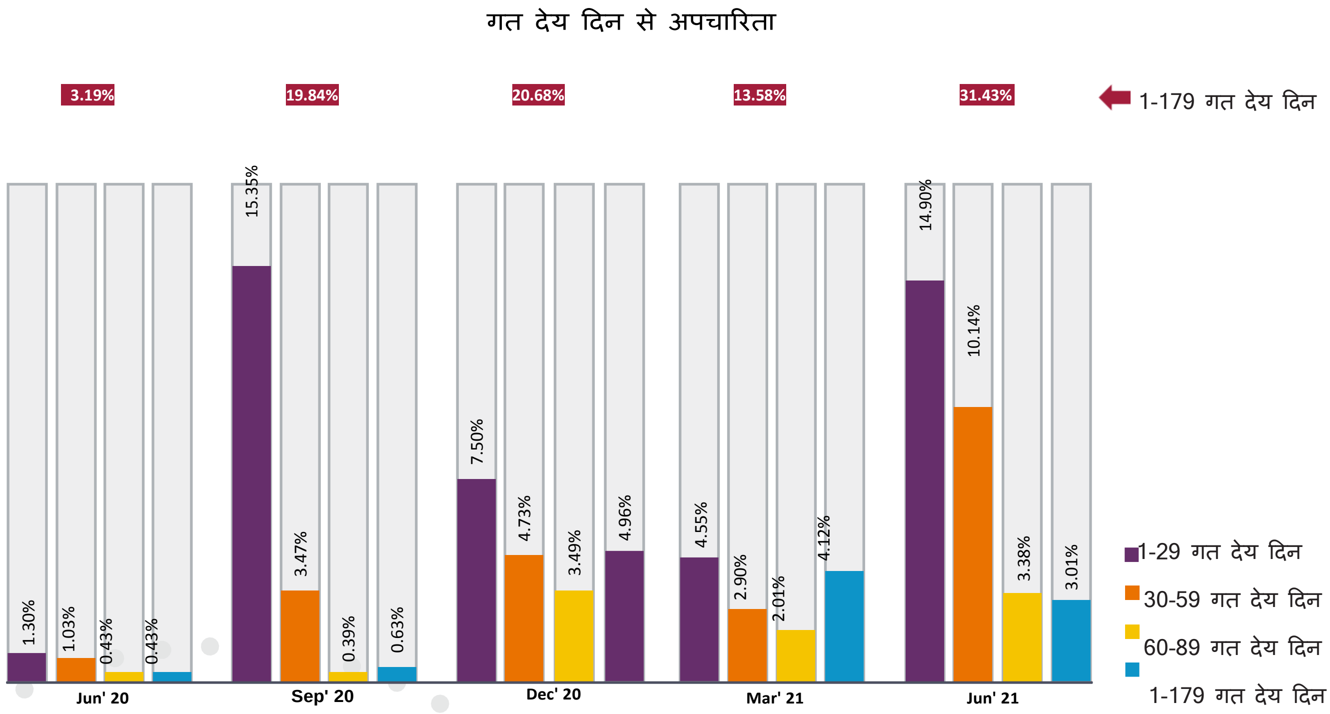

- 1-179 दिन के गत देय दिन का अपचार मार्च 2021 में 13.59% था, जो जून 2021 में 31.44% हो गया हैं।
- 90-179 गत देय दिन के अपचार बकेट के अलावा अन्य सभी अपचार बकेटों में मार्च 2021 की अपेक्षा जून 2021 में वृद्धि हुई हैं

Delinquencies calculated basis POS

भौगोलिक ऋण जोखिम

यथा 30 जून, 2021 को राज्यवार / संघक्षेत्रवार संविभाग बकाया

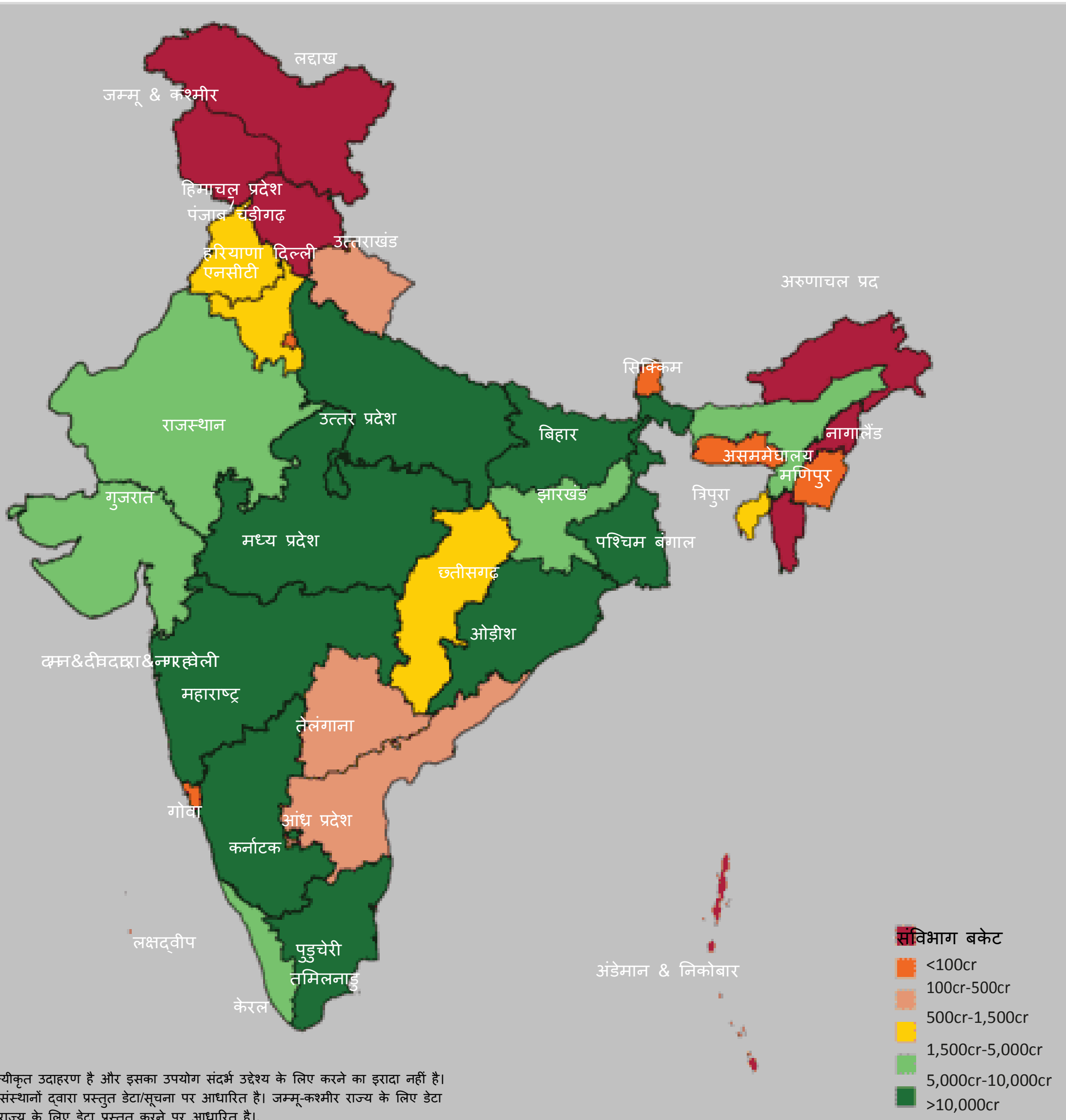

यह मानचित्र केवल एक सामान्यीकृत उदाहरण है और इसका उपयोग संदर्भ उद्देश्य के लिए करने का इरादा नहीं है।
नोट: यह ग्राफ जून 2021 तक संस्थानों द्वारा प्रस्तुत डेटा/सूचना पर आधारित है। जम्मू-कश्मीर राज्य के लिए डेटा प्रतिनिधित्व पूरे जम्मू-कश्मीर राज्य के लिए डेटा प्रस्तुत करने पर आधारित है।

- यथा 30 जून 2021 को ₹31,024 करोड़ के बकाया संविभाग के साथ पश्चिम बंगाल अग्रणी है जो बकाया संविभाग में 14% का योगदान करता है ।
- शीर्ष 10 राज्यों का बकाया संविभाग में 80% से अधिक का योगदान किया है।
- यथा 30 जून 2021 तक शीर्ष 5 राज्यों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश है

राज्यवार / संघक्षेत्रवार 90+ अपचारिता

यथा 30 जून, 2021

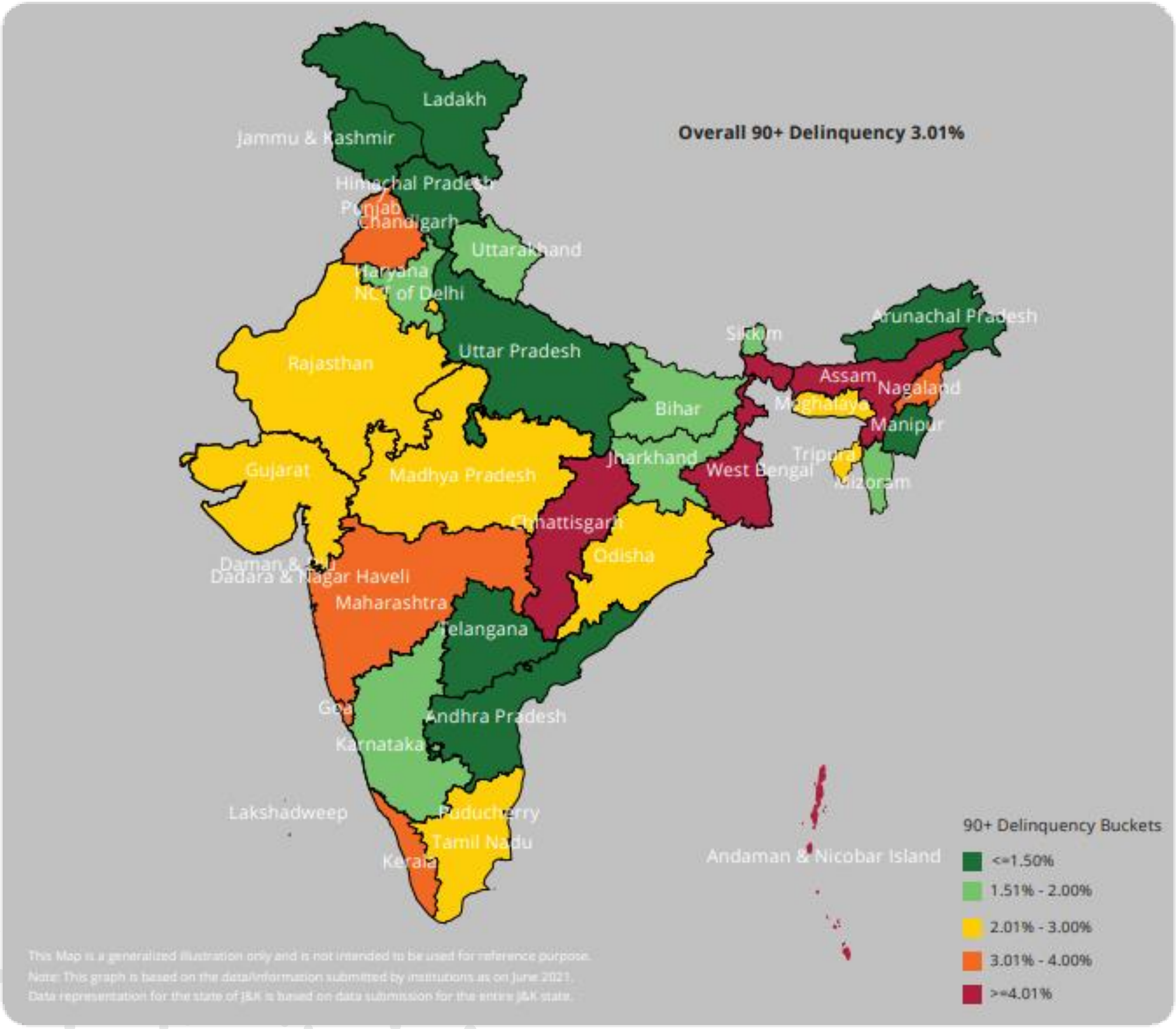

- यथा जून 2021 तक, पश्चिम बंगाल की 90+ अपचारिता 5.15% है जो उद्योग की अपचारिता से अधिक है
- यथा जून 21 को शेष शीर्ष 4 राज्यों के लिए 90+ अपचारिता उद्योग की अपचारिता की तुलना में कम है और इसका उल्लेख नीचे किया गया है:

तमिलनाडु - 2.62%
बिहार - 1.76%
कर्नाटक - 1.83%
उत्तर प्रदेश- 1.08%

उधारकर्तावार वितरण

ऋणों की संख्या के आधार पर उधारकर्ता का वितरण

उधारकर्ता प्रकार	1 ऋण के साथ ('000 में)	2 ऋणों के साथ ग्राहक ('000 में)	3 ऋणों के साथ ग्राहक ('000 में)
बैंक	8,533	3,921	12,794
लघु वित्त बैंक	4,992	2,842	4,796
एनबीएफसी-एमएफआई	3,889	1,579	1,136
एनबीएफसी	8,458	5,245	9,763
लाभ विहीन एमएफआई	316	153	324
कुल	26,188	13,740	28,813

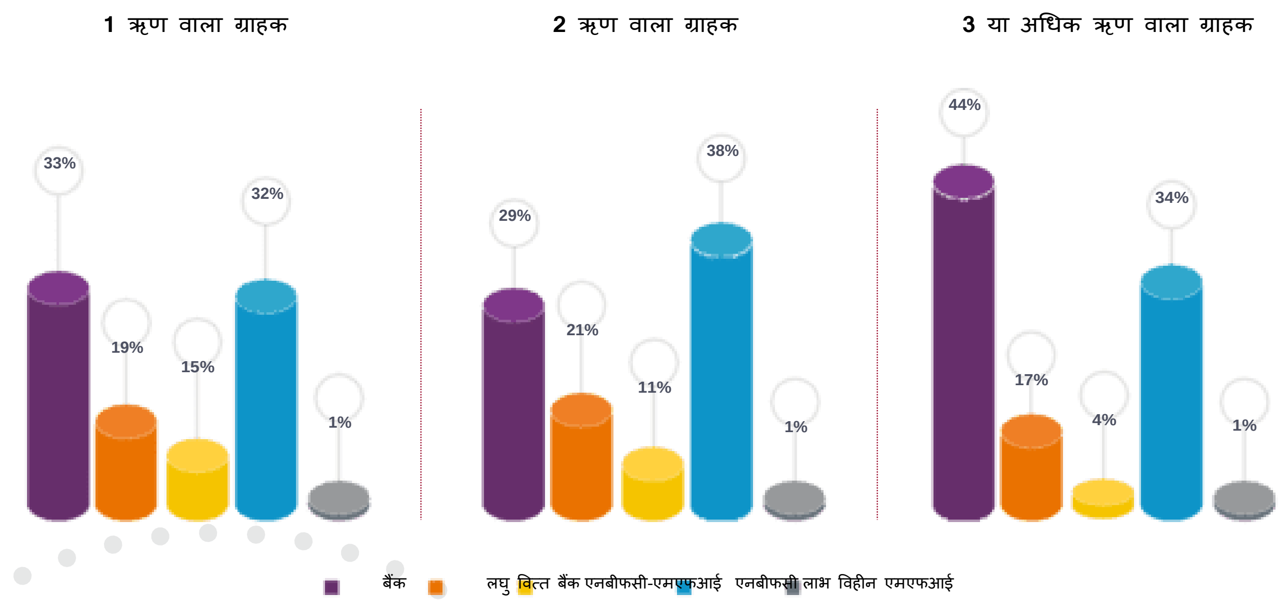

- 42% ग्राहकों के पास 3 या उससे अधिक ऋण हैं
- बैंक और एनबीएफसी द्वारा सबसे अधिक संख्या में उधारकर्ता कवर किए जाते हैं

संविभाग बकाया के आधार पर उधारकर्ता वितरण

संविभाग बकाया आधार पर सक्रिय उधारकर्ता का वितरण

उधारदाता स्वरूप	<10K	10K-25K	25K-50K	>=50K
बैंक	4,889	8,185	6,714	5,460
स्माल फिनानस बैंक	2,184	4,338	4,855	1,254
एनबीफसी-एमएफआई	1,379	2,540	2,337	348
एनबीफसी	4,355	8,115	7,778	3,218
गैर लाभप्रदता एमएफआई	192	280	220	100
कुल	12,999	23,458	21,904	10,380

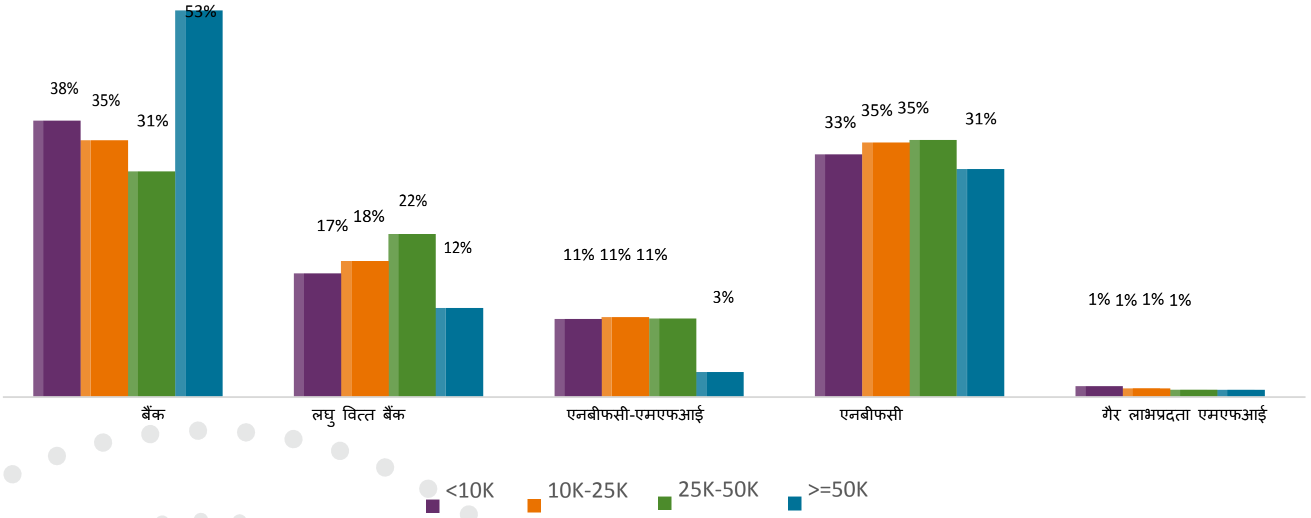

- 66% उधारकर्ता 10-50K बकाया संविभाग बकेट के अंतर्गत आ रहे हैं
- 15% उधारकर्ताओं का ₹50,000 से अधिक का बकाया संविभाग है

EQUIFAX

sidbi

ओड़िशा राज्य की व्यापक प्रोफाइल

ओड़िशा : राज्य का परिदृश्य

ओडिशा का परिदृश्य 30 जून2021	बैंक	लविबै	एनबीएफसी	एनबीएफ़सी	लाभ के लिए नहीं एमएफआई	उद्योग
सक्रिय ऋण ('000)	2,773	553	2,379	316	9	6,030
संविभाग बकाया (`करोड़)	5,880	1,169	5,285	748	14	13,096
बकाया संविभाग में बाजार हिस्सा	45%	9%	40%	6%	0%	-
संवितरित राशि (`करोड़) - अमजू'21	1,340	117	597	72	1	2,127
औसत ऋण आकार (`) - अमजू'21	31,360	31,846	37,340	43,021	35,000	33,188
30+ की विफलता (पीओएस)	9.65%	10.10%	12.33%	5.69%	5.25%	10.54%
90+ की विफलता (पीओएस)	2.06%	2.73%	2.83%	1.54%	1.91%	2.40%

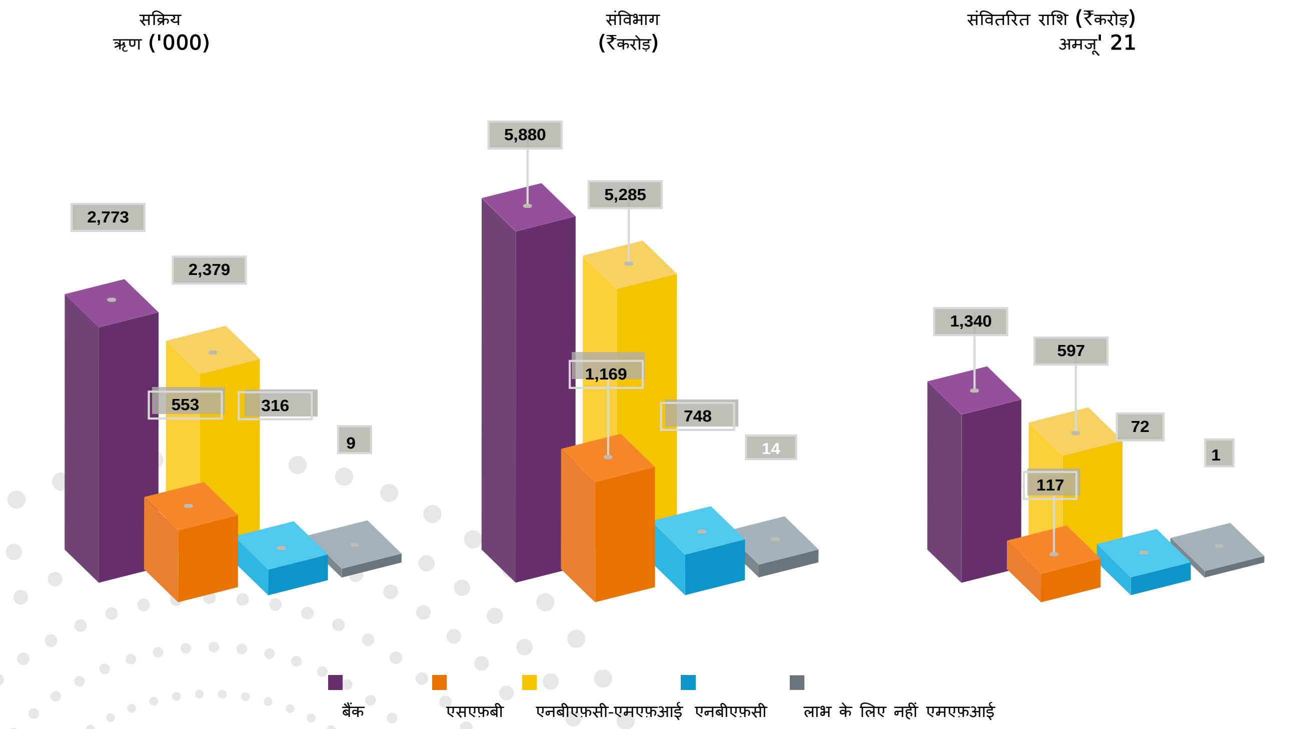

- यथा 30 जून 2021 को ओडीशा का बकाया संविभाग ₹13,096 करोड़ है
- बकाया संविभाग के बाजार हिस्से का 85% बैंकों और एनबीएफ़सी-एमएफ़आई से है
- अमजू'21 के दौरान ओडीशा की संवितरित राशि ₹2,127 करोड़ है जिसमें बैंको का योगदान सर्वाधिक है
- ओडीशा में 30+ और 90+ की चुकौती-विफलता समग्र उद्योग स्तर के चुकौती-विफलता से कम है
- एनबीएफ़सी की 90+ की चुकौती विफलता सभी ऋणदाताओं में सबसे कम है और यह ओडीशा की समग्रत: 90+ की चुकौती-विफलता से भी तुलनात्मक रूप में कम है

ओड़िशा : औसत ऋण आकार प्रवृत्तियाँ

औसत ऋण आकार प्रवृत्तियाँ

ऋण आकार	अमजू'20	जअस'20	अनदी'20	जफम'21	अमजू'21	वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर
बैंक	23,801	32,555	24,430	32,351	31,360	32%
एसएफबी	36,113	29,472	32,570	30,029	31,846	-12%
एनबीएफसी-एमएफआई	37,991	34,814	32,603	33,818	37,340	-2%
एनबीएफ़	20,570	37,604	41,355	41,982	43,021	109%
लाभ के लिए नहीं एमएफ़आई	16,875	29,959	31,064	29,893	35,000	107%
ओडीशा	25,634	33,598	28,070	32,995	33,188	29%

ओड़िशा: औसत ऋण आकार प्रवृत्तियाँ

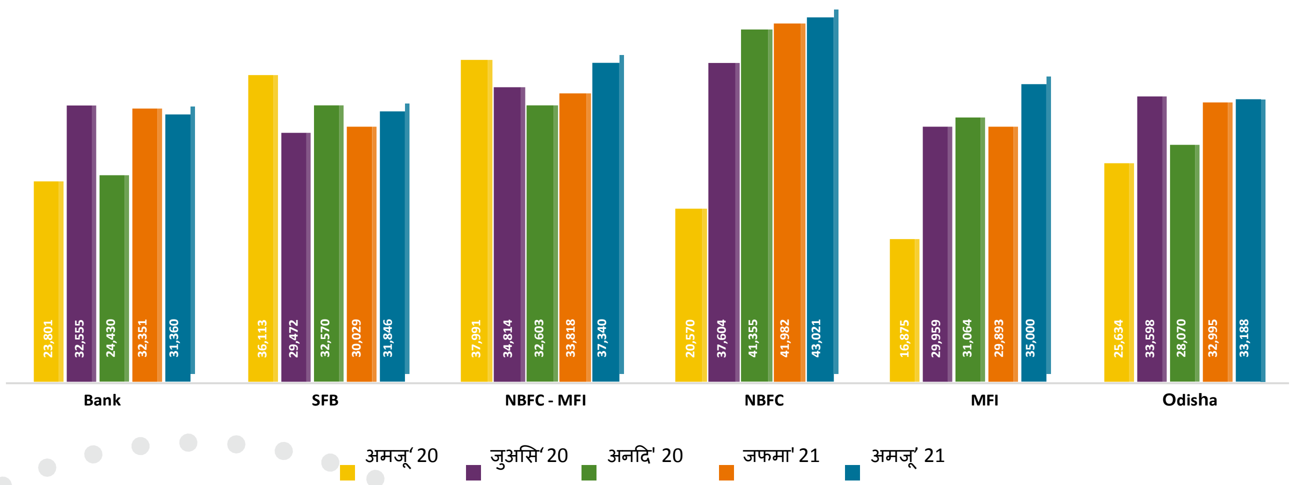

- ओड़िशा की समग्र औसत ऋण आकार में अमजू'20 से अमजू'21 में 29% की वर्षानुवर्ष संवृद्धि देखी गई है
- ओड़िशा में एनबीएफ़सी का औसत ऋण आकार सर्वाधिक है और एनबीएफ़सी-एमएफ़आई इसके पीछे है
- एनबीएफ़सी की वर्षानुवर्ष संवृद्धि अमजू'20 से अमजू'21 में सर्वाधिक 109%देखी गई है और 107% की संवृद्धि के साथ लाभ के लिए नहीं एमएफ़आई इसके ठीक पीछे हैं

ओड़िशा: संविभाग प्रवृत्तियाँ

विवरण	जून'20	सितंबर'20	दिसं'20	मार्च'21	जून'21
बैंक	5,433	5,280	5,403	6,242	5,880
एसएफ़बी	1,120	1,153	1,179	1,283	1,169
एनबीएफ़सी-एमएफ़आई	5,125	5,342	5,617	5,793	5,285
एनबीएफ़सी	752	771	801	840	748
लाभ के लिए नहीं एमएफ़आई	16	11	28	20	14
ओड़िशा	12,446	12,557	13,028	14,178	13,096
वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर %	-	1%	4%	9%	-8%

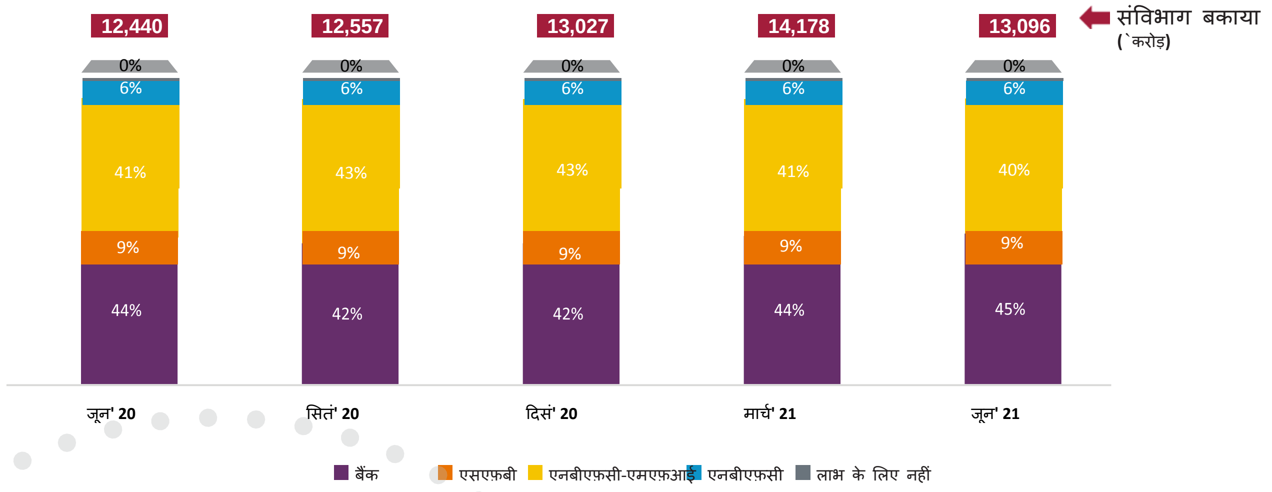

- जून 2020 से जून 2021 तक ओड़िशा के संविभाग बकाया में 5% की संवृद्धि हुई
- बैंक, सभी तिमाहियों में, बकाया संविभाग में 40% से अधिक के योगदान के साथ अग्रता बनाए हुए हैं

ओड़िशा: 90+ अपचारिता की प्रवृत्तियाँ

ऋणदाता प्रकार	जून’20	सितंबर’20	दिसं’20	मार्च’21	जून’21
बैंक	0.13%	0.18%	3.75%	2.82%	2.06%
एसएफ़बी	0.51%	0.12%	5.46%	3.18%	2.73%
एनबीएफ़सी-एमएफ़आई	0.73%	0.89%	9.49%	3.12%	2.83%
एनबीएफ़सी	0.33%	0.09%	2.48%	3.81%	1.54%
लाभ के लिए नहीं एमएफ़आई	0.25%	1.03%	1.56%	3.28%	1.91%
ओडीशा	0.42%	0.47%	6.30%	3.03%	2.40%

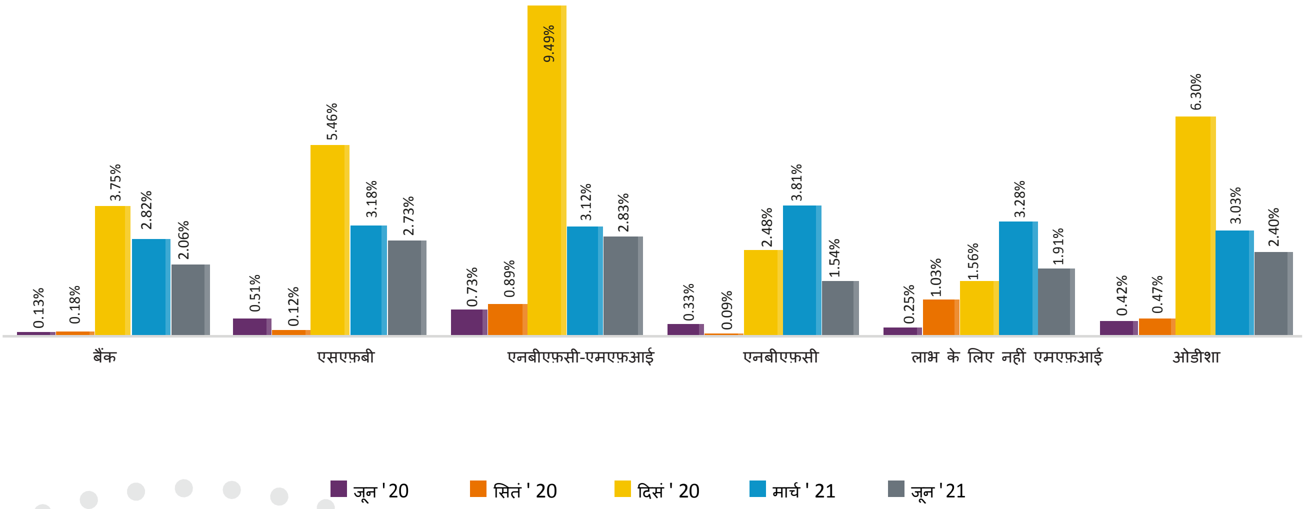

- समग्रत: ओड़िशा की 90+ अपचारिता मार्च 2021 के 3.03% से घटकर जून 2021 में 2.40% हो गई
- 90+ अपचारिता सभी ऋणदाता वर्गों में मार्च 2021 की अपेक्षा जून 2021 में घटी है
- बैंक, एनबीएफ़सी और लाभ के लिए नहीं संस्थाओं ने अपनी 90+ अपचारिता को अच्छी तरह से सम्हाला है। उनकी 90+ अपचारिता ओड़िशा की समग्र चुकौतीगत विफलता से कम है।

Delinquencies calculated basis POS

महत्वाकांक्षी जिले

महत्वाकांक्षी जिले - जून 2021 का परिदृश्य

महत्वाकांक्षी जिलों के संवृद्धि ब्यौरे	दिसंबर 2017	जून 2021	संवृद्धि
सक्रिय ग्राहक तक पहुँच ('000)	4,155	8,143	96%
संवितरण राशि (`करोड़)	14,374*	30,582**	113%
सक्रिय ऋण ('000)	6,925	12,730	84%
संविभाग बकाया (`करोड़ में)	11,175	28,737	157%
30+ अपचारिता	1.54%	11.80%	-
90+ अपचारिता	0.75%	2.36%	-

संविभाग
(`करोड़)

संवितरित राशि (`करोड़) –
जुलाई'20 से जून'21

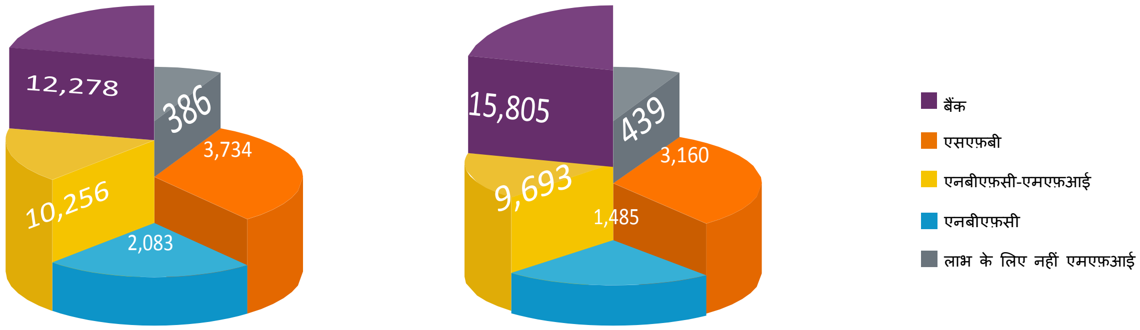

ऋणदाता वर्ग के अनुसार 30+ और 90+ संविभाग बकाया चुकौतीगत विफलता

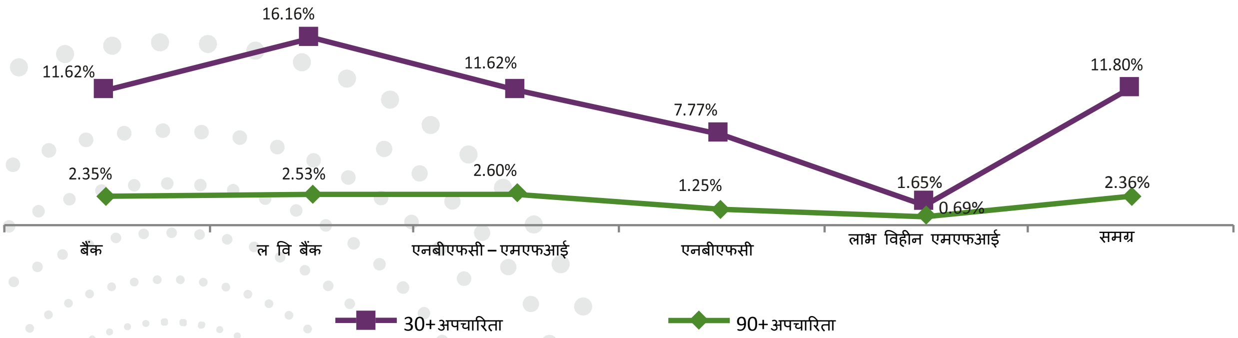

- यथा जून 2021 को महत्वाकांक्षी जिलों का संविभाग बकाया ₹28,737 करोड़ है जिसमें बैंकों का हिस्सा 43% है व एनबीएफ़सी-एमएफ़आई 36% के हिस्से के साथ उनके ठीक पीछे हैं
- एनबीएफ़सी-एमएफ़आई के 90+ अपचारिता सर्वाधिक है और एसएफ़बी व बैंक इसके पीछे हैं
- दिसंबर 2017 से जून 2021 तक संविभाग बकाया में 157% के संवृद्धि और संवितरण राशि में 113% की संवृद्धि हुई है

संवितरण जनवरी 2017 से दिसंबर 2017
** संवितरण जुलाई 2020 से जून 2021
अपचारिता की गणना पीओएस के आधार पर की जाती है

*

सिडबी के बारे

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की स्थापना 1990 में संसद के एक अधिनियम के तहत की गई थी। सिडबी को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई क्षेत्र) के प्रचार, वित्त पोषण और विकास और समान गतिविधियों में संलग्न विभिन्न संस्थानों के कार्यों के समन्वय के तिहरे एजेंडे को क्रियान्वित करने के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य का अधिदेश है। वर्षों से, अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के जीवन को छुआ है, पूरे एमएसएमई स्पेक्ट्रम पर उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र में कई विश्वसनीय संस्थानों के साथ जुड़ाव किया है।

विजन 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई क्षेत्र में सूचना विषमता को दूर करने के लिए विभिन्न पहलों का नेतृत्व किया है, जैसे एमएसएमई इकाइयों के स्वास्थ्य ट्रैकर के लिए एमएसएमई पल्स और एमएसई सेंटीमेंट और आकांक्षाओं, को जानने के लिए क्रिसिडेक्स, उद्योग ऋणदाताओं के लिए उद्योग स्पॉटलाइट और माइक्रोफाइनेंस पल्स के अलावा, फिनटेक लेंडिंग सेगमेंट पर क्रेडिट डेटा अंतर्दृष्टि के लिए फिनटेक पल्स।

अल्प वित्त क्षेत्र में सिडबी

सिडबी ने अल्पवित्त आंदोलन का समर्थन करके समावेशी वित्त के ध्येय को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। 31 मार्च, 2021 तक बैंक की सूक्ष्म-वित्त पहल के तहत कुल मिलाकर ₹20,568 करोड़ की संचयी सहायता वितरित की गई, जिससे लगभग 4 करोड़ इकाइयों को लाभ हुआ। अल्पवित्त इकाइयों को ऋण और ईक्विटी समर्थन के साथ इन संस्थाओं की क्षमता निर्माण समर्थन और अनुपालन मूल्यांकन के साधने आदि के माध्यम के समर्थन से नैगम अभिशासन की संस्कृति को सुव्यस्थित रूप से सुग्राही बनाते हुए प्रूरक का कार्य कर रहा है। अल्पवित्त उद्योग के कमजोर शुरुआत से पूर्ण उद्योग समूह तक पहुंचाने के लिए हैंडहोल्डिंग के अलावा, हमारी 8 सहयोगी अल्पवित्त संस्थाएं स्माल वित्त बैंक / विश्वव्यापी बैंक में परिवर्तित हो गई हैं। अल्पवित्त ऋण प्रदायगी के तहत परंपरा से हटकर एक पहल यह है कि बाजार दरों से काफी कम ब्याज दरों पर छोटे ऋण सिडबी (साझेदारी व्यवस्था के माध्यम से) से सीधे उपलब्ध कराना । बैंक द्वारा साझेदारी मॉडल के तहत प्रयास नामक इस पहल के तहत, बाजार दरों की तुलना में कम ब्याज दरों पर पिरामिड के सबसे निचले स्तर के सूक्ष्म उधारकर्ताओं को ₹0.50 लाख से ₹5 लाख के छोटे टिकट के ऋणों का विस्तार किया गया है।

इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के शक्तिशाली संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करता है।

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ यह अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह ईएफएक्स चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) से करता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में संचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की सख्या बैंकों, एनबीएफसी, एमएफआई और बीमाकर्ताओं सहित 4000+ सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और पुनर्भुगतान संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने पदछाप को पुन: बढ़ाया है । भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो कारोबार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।

अस्वीकरण

माइक्रोफाइनेंस पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट का उपयोग करके उपयोगकर्ता स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट जून 2021 तक इक्विफैक्स के सदस्य अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता करता है, परंतु अल्पवित्त संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी पहुंच या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों से इंकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी कोई परामर्श नहीं है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी विनियमवाली, 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संचालित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

संपर्क विवरण

इक्वीफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसिज लिमिटेड

यूनिट न. 931, तृतीय तल, बिल्डिंग न. 9,

सोलिटेयर कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी घाटकोपर लिंक रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400 093

टोल फ्री न.: **1800 2093247**
ecissupport@equifax.com

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,

स्वावलंबन भवन, प्लॉट न. सी-**11**, 'जी' ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - **400 051** महाराष्ट्र

टोल फ्री न.: **1800 226753**
www.sidbi.in/en

Copyright © 2021, Equifax Inc., Atlanta, Georgia. All rights reserved. Equifax is a registered trademarks of Equifax Inc.